

06/02/24

पत्रावली भेजा हुई। बचि। प्र-सी
 का श्लोक २०१११ ही पुका ही
 वास्तु है अगम के प्रार्थना-पत्र
 बीआई के पत्रों में आने का कोई
 औचित्य नहीं है। अतः प्रार्थना
 पत्र बीआई श्रावण विमा जाल
 ही प्रार्थनी केवल शुभारंभ
 नम्बर से कम ही बारिख पत्र
 ही।



**सहायक कलक्टर
 लाहौर जिला-दिस (राज)**



पुस्तक विभाग
 लाहौर

२२/२/२४